केन्द्रीय विद्यालय नगरोटा

KENDRIYAVIDYALAYANAGROTA (JAMMU)

उस्मान द्वार नगरोटा/USMAN DWAR, NAGROTA :181221

विद्यालय न. - 04408/VidyalayaNo.- 04408

सी.बी.एस.ई एफिलेशन न.–700010/CBSE Affiliation No -700010

e-mail- nagrotakv@gmail.com/website:nagrota.kvs.ac.in ☎ -0191-2673837

ई–पत्रिका –2019-20

सत्यम शिवम सुन्दरम
केन्द्रीय विद्यालय
नगरोटा
जम्मू-181221
KENDRIYA VIDYALAYA
NAGROTA
JAMMU-181221
WE ARE PROUD OF OUR MOTHERLAND

केन्द्रीय विद्यालय, नगरोटा

केन्द्रीय विद्यालय, नगरोटा
संस्कृत-सप्ताह

सत्यम शिवम सुन्दरम
केन्द्रीय विद्यालय
नगरोटा
जम्मू-181221
KENDRIYA VIDYALAYA
NAGROTA
JAMMU-181221
WE ARE PROUD OF OUR MOTHERLAND

संस्कृत
सप्ताह

प्राचार्य की कलम से

अत्यंत प्रसन्नता के साथ केंद्रीय विद्यालय नगरोटा सत्र 2019-20 की विद्यालय पत्रिका 'वितस्ता'आप सभी पाठकों को प्रेषित की जा रही है । बच्चों की प्रतिभा को , उनकी बाल सुलभ अनुभूतियों को पत्रिका में प्रकाशित किया गया है ।

मैं श्री डी.पी.पटेल, सहायक आयुक्त व कार्यवाहक उपायुक्त केंद्रीय विद्यालय संगठन जम्मू संभाग,जम्मू एवं विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष ब्रिगेडियर ए.एस. बरार, वशिष्ठ सेवा मैडल (वी.जी.एस.) इंफो सिस्टम, मुख्यालय 16 कोर के प्रति आभार व्यक्त करता हूँ , जिनके मार्गदर्शन से विद्यालय पत्रिका का कार्य संपन्न हुआ है ।

मैं उन सभी बच्चों को बधाई देताहूँ , जिन्होंने अपनी रचनात्मक एवं सृजनात्मक क्षमता का परिचय दिया है और आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास करता हूँ कि भविष्य में भीबेहतर मौलिक लेखन कर आगामी विद्यालय पत्रिका में अपना योगदान देंगे ।

संपादक मंडल एवं लेखक मंडल के सभी सदस्यों को बधाई देताहूँ और साथ ही आभार भी प्रकट करता हूँ कि उनके अथक प्रयास से यह कार्य संपन्न हुआ है ।

दीदार सिंह
प्राचार्य
के. वि. नगरोटा

संपादकीय

दिनांक

सम्मानित पाठको,

सत्र 2019-20 में विद्यालय पत्रिका 'वितस्ता' आप सभी सुधी पाठकों को सौंपने का सुअवसर पाकर मुझे हार्दिक संतोष हो रहा है । सर्वस्वीकृत सत्य है कि चिंतन, भाव , कल्पना , एवं विभिन्न कलाओं की अभिव्यक्ति की क्षमता बच्चों के अंदर बीजरूप में स्वतः विद्यमान रहती है ।बाल - मानस रचनात्मकता का अजस्र स्रोत होता है । इन अनंत संभावनाओं और क्षमताओं से युक्त विकासशील प्रतिभाओं को प्रस्फुटन का अवसर देना हमारा पावन कर्तव्य है यह पत्रिका विद्यार्थीयों की साहित्यिक , सांस्कृतिक एवं वैचारिक सृजनात्मक शक्तिओं को तवीकी निर्मल धारा की तरह सतत बहते रहने का लघु प्रयास है ।

पत्रिका के कलेवर को अंतिम रुप देते समय यथा संभव अधिक से अधिक रचनाकारों को स्थान देने का प्रयत्न किया गया है । सभी विद्यार्थीयों से आग्रह है कि आप श्रेष्ठतर लेखन के लिए सतत् प्रयत्नशील रहें एवं अपने मौलिक चिंतन व सृजनात्मक कार्य से पत्रिका के आगामी अंकों को समृध्द करने में योगदान करें ।

विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन हेतु बहुमूल्य सुझाव एवं सुयोग्य मार्गदर्शन देने वाले केंद्रीय विद्यालय संगठन एवं विद्यालय प्रबंध समिति के माननीय पदाधिकारियोंके प्रति मैं अत्यंत आभारी हूँ । प्राचार्य श्री दीदार सिंह जी को हृदय से धन्यवाद देना चाहता हूँ, जिनके हरसंभव सहयोग एवं सुयोग्य मार्गदर्शन से यह कार्य संभव हो सका है ।

अपने आलेखों से पत्रिका को साकार रुप देने वाले सभी विद्यार्थीयों,शिक्षक बंधुओं , सदा प्रेरणा देने वाले अभिभावकगण एवं पत्रिका के संपादक मंडल के सदस्य विद्वान शिक्षक साथियों को मैं हृदय से साधुवाद देता हूँ ।

डॉ वी.पी. रैना
प्रधान संपादक)

संपादक मंडल

संरक्षक

श्री डी. पी.पटेल

कार्यवाहक उपायुक्त

जम्मू संभाग, जम्मू

ब्रिगडियर ए एस बरार

बी.जी.एस इनफो सिस्टम

16 कोर ,विद्यालय प्रबंधन समिति अध्यक्ष

संयोजक

दीदार सिंह

प्राचार्य

हिंदी विभाग

श्रीमती अंजु वर्मा ,टी.जी.टी (हिंदी)

संस्कृत विभाग

डॉ वी पी रैना टी.जी.टी(संस्कृत)

अंग्रेजी विभाग

श्रीमती संध्या शर्मा,टी.जी.टी (अंग्रेजी)

श्रीमती सोनाली मेंगी टी.जी.टी (अंग्रेजी)

कवर पेज डिजाइन और टंकण कार्य

श्री अनिल महाजन (कंप्यूटर इंस्ट्रक्टर)

(बेटी)

चाहूँ जिस जहाँ को मैं , वो मुझसे ही सजता है|
कभी घर की चहल हूँ मैं, हर धर्म की पहल हूँ मैं |
मैं हूँ तो मुस्कान है , मेरे होने से खिला आसमान है |
पिता की लाडली हूँ मैं, माँ की दुलारी हूँ मैं |
भाई का गौरव हूँ , बहन का प्यार हूँ|
घर की लक्ष्मी मैं हूँ , देश की शान मैं हूँ|
सबका स्नेह चाहिए मुझे , सबका प्यार भी है जरूरी
न छोड़ो मेरी कहानी को अधूरी
क्योंकि मैं हूँ एक बेटी ,
जिसके बिना न होगी यह दुनिया पूरी |

नेहा देवी
टी. जी. टी (हिन्दी)

कामयाबी

समय से पहले शाम ढलती नहीं
रोने से तकदीर बदलती नहीं
दूसरों की कामयाबी अखरती है तुम्हें
कामयाबी राह पर पडी मिलती नहीं |

अगर मिल भी गई झूठी कामयाबी
इत्तेफाक समझो, बहुत दिन तक पचती नहीं
कामयाबी का मतलब पानी में आग लगाना है |
पर पानी में आग आसानी से लगती नहीं |
क्यों लगता है ज़िंदगी सूनी- सूनी है ,
दुनिया अपने जज्बात समझती नहीं |

हार के बाद भी, टूटकर भी संभल गया जो ,
फिर कौन सी मुश्किल बात है, जो बनती नहीं |
वादा बांधकर बैठे रहने से पहले सोचो ,
यूँ ही अपने आप ज़िंदगी संवरती नहीं
तो कर निश्चय प्रसन्नशील रहूँ मैं भी ,
कामयाबी कदम चूमेगी , यह सत्य है ,
वो कभी एक जगह ठहरती नहीं |

अंजू वर्मा
प्रा. स्नातक शिक्षिका

डोगरी

(देशा हुन लो होई गेई)

उठठ मडेआ देशा हुन लो होई गेई|
देक्ख चढी गेआ त्याड़ा |
धुप्प लग्गी गेई धारा |
मूं कलिएं खोले |
वनें पक्खरू बोले|

तुक्की सोने आली मंदी खो पेई गेई |
लज्ज –पल पुट्टी सुटटी|
बिच्च रस्ते दे लुटटी
रोई पिटटी बैठी अम्मा
उठठ म्हाडेआ जम्मा |

जेहडी कदे नेई सी होनी अज्ज होई गेई |
जिने उद्दम कमाया |
घर सुन्ने दा बनाया |
लोके उदा जस्स गाया |
उने नां कमाया |

नेहा देवी
टी. जी. टी (हिन्दी)

गरीबी

गरीबी बोलती है

भूखे बच्चों को तडपता देख,

गरीबी बोलती है |

किसी अनपढ़ बच्चे को देख ,

गरीबी बोलती है,

किसी मासूम के हाथों में हथियार देख,

गरीबी बोलती है |

दहेज़ प्रथा के कारण किसी

जलाई गई लक्ष्मी को देख

गरीबी बोलती है |

गरीब समाज को आंतकी बनते देख,

गरीबी चिल्ला –चिल्ला कर बोलती है,

कि मैं ही हूँ इन सबका कारण,

इनकी शुरूआत मैं करती हूँ ,

मैं ही हूँ जो एक शिष्य को मुजरिम बनाती हूँ

मैं हूँ जो एक नादान को हैवान बनाती हूँ|

नेहा देवी

टी. जी. टी (हिन्दी)

हिमालय

खड़ा हिमालय बता रहा है
डरो न आंधी - पानी में,
खड़े रहो तुम अविचल होकर
सब संकट तूफानी में |
डिगो न अपने प्रण से तुम
सब कुछ पा सकते हो प्यारे ;
तुम भी ऊँचे उठ सकते हो |
छू सकते हो नभ के तारे |
अटल रहा जो अपने पथ पर
लाख मुसीबत आने में ,
मिली सफलता जग में उसको
जीने में मर जाने में |

साल्वी धर
सातवी ब

नदी

नदी ने कहा था : मुझे बाँधों,
मनुष्य ने सुना और तैरकर धारा को पार किया |
नदी ने कहा था : मुझे बाँधों,
मनुष्य ने सुना, और सपरिवार धारा को पार किया |
नदी ने कहा था : मुझे बाँधों,
मनुष्य ने सुना और उसे आखिर में बाँध दिया
बांधकर नदी को मनुष्य दुह रहा है
अब वह कामधेनु है |

साल्वी धर
सातवी ब

<u>विचार</u>

1. परिश्रम ही सफलता की कुंजी हैं |
2. समय और लहरें किसी का इंतज़ार नहीं करती |
3. अगर आप जीत गए तो आप खुश हो जाओगे , और हार गए तो समझदार |
4. इंसान चाहे कितना भी सुंदर क्यों न हो , पर उसकी परछाई हमेशा काली होती है |
5. जिनमें अकेले चलने का होंसला होता है ,
   उनके पीछे एक दिन काफिला होता है |
6. एक झूठ छिपाने के लिए हजारों झूठ बोलने पड़ते हैं |
7. लहरो से डरकर लहरें पार नही होती, कोशिश करने वालों की कभी हार नही होती |
8. कभी किसी से मदद मांगोगे तो सोच समझकर माँगना ,क्योंकि मदद थोड़े समय की होती है और एहसान जिन्दगी भर का होता है |
9. वह मित्र ही क्या जो अपनों को सहायता नहीं देता |
10. सत्य के मार्ग को दुष्कर्मी पार नहीं कर सकता |

अंशी
सातवी ब

पहेलियाँ

1. इधर उधर जाता हूँ , सबका वजन बताता हूँ|
2. टेढ़ी –मेढ़ी हूँ पर सबको भाती, रिश्ते में जलेबी की बहन कहलाती |
3. लम्बी पूंछ पीठ पर रखा, दोनों हाथों खाते देखा |
4. एक गुरु ऐसा कहलाये, आप बोलो, पाठ पढाये|
5. कान मरोडे पानी दूंगा , नहीं दाम मैं कुछ भी लूंगा|
6. कटोरे पर कटोरा , बेटा बाप से भी गोरा |
7. मिलता नहीं बगीचे में , फिर भी आधा फल आधा फूल ,
   काला हूँ मैं मीठा हूँ, खाकर मुझे न जाना भूल
8. नदियाँ हैं पर पानी नहीं , देश तो है पर आदमी नहीं ,
   पहाड़ भी हैं पर ऊँचाई नहीं , बूझो तो जाने तेरी बुद्धिमानी
9. देखो जादूगर का हाल डाले हरा, निकाले लाल |
10. भूमि के अंदर रहता , सांप सा मैं दिखता
    मिट्टी को उपजाऊ बनाता, किसानों का मित्र कहलाता |

उत्तर :

1. तराजू
2. इमरती
3. गिलहरी
4. पुस्तक
5. नल
6. नारियल
7. गुलाब जामुन
8. मानचित्र
9. पान
10. केंचुआ

पहेलियाँ

1. ऐसा कौन सा फूल है जिसे हम तोड़ नहीं सकते |
2. ऐसा कौन सा पान है जिसे हम खा नहीं सकते |
3. ऐसी कौन सी कली है जिसे हम तोड़ नहीं सकते |
4. ऐसा कौन सा ड्राइवर है जिसे ड्राईबिंग लाइसेंस की जरूरत नहीं पडती है
5. ऐसा कौन सा आईना है जिस में हम देख नहीं सकते |

उत्तर : 1. अप्रैल फूल 2. जापान 3 छिपकली 4 स्क्रू ड्राइवर 5 चाइना

पहेली

1. पक्षी एक दिखाता नाच, दुम पर पैसा सिर पर ताज |
2. काला घोड़ा गोरी सवारी, एक के बाद एक की बारी
3. हरा आटा लाल परांठा, सखियों ने मिलजुल कर बांटा |
4. तेरे घर में सुबह –सुबह नाच बिखेरे

उत्तर: मोर, रोटी और तवा, मेहंदी , मक्खी |

गुरु का महत्व

सबसे बढ़कर इस दुनिया में,
सिर्फ गुरू का नाम है,
माता देती जन्म हमें है ,
शिक्षा देना गुरू का काम है |
सोचा अगर गुरू साथ न हो तो ,
हम कैसे आगे बढ़ पाएगें ,
यदि बात न माने गुरू की
तो जीवन भर पछताएँगें |

आयशा
सातवी ब

प्रकृति

कहती हूँ मैं इस माध्यम से
इस कविता के माध्यम से मैं कहती हूँ|
कि दूर नहीं मै तो कहीं
तुम्हारे आस पास ही रहती हूँ ||

कई वर्षों पूर्व बनी थी मैं
और आज खत्म होने को हूँ |
ईश्वर ने जगाया था मुझे
पर आज मैं सोने को हूँ ||

आँधी हूँ मैं तूफ़ान हूँ
मैं वृक्ष की हर डाल हूँ|
मिट्टी भी मैं और जल भी मैं
और आसमान 'व'पाताल हूँ ||

रक्त हूँ धरती का मैं
और आसमान के अश्क हूँ |
जननी हूँ जीवन की मैं
और कुदरत का मै मश्क हूँ ||

फिर क्यों मेरा महत्त्व नहीं ?
क्यों खुशियों से मैं दूर हूँ ?
अंत निकट है मेरा
और दुःख में मैं चूर- चूर हूँ ||

पुराना समय खुशियों का था
और आज मैं मजबूर हूँ |
यह प्रश्न है मेरा संसार से
क्यों इनके ह्रदय से मैं दूर हूँ ||

क्या नाम है और क्या वजूद है
यह सवाल है कि मैं कौन हूँ ?
जी हाँ| मैं और कोई नहीं
बल्कि पीड़ित प्रकृति ही हूँ |

<u>माँ</u>

एक अक्षर का नाम है माँ
घने पेड़ की छाँव है माँ,
सारी सृष्टि इसके अंदर
लगते चारों धाम है माँ
जन्म मरण तक कष्ट उठाती |
ममता का पैगाम है माँ
सुख ही सुख इसके
आँचल में रहीम और राम है माँ
माँ तू क्यों मुझसे दूर चली गई
तू मेरी जान थी माँ |

प्रतिभा भारती
सातवी ए

माँ की ममता

घुटनोंसेरेंगते–रेंगते
कबपैरों पर खड़ी हुई |
तेरी ममता की छाँव में ,
न जाने कब बड़ी हुई |

कैसा नन्हा बचपन था वो ,
जब रूठूं तब मनाती थी |
मेरे गिरते आंसुओ को ,
तू मोती बतलाती थी |

मैं अनजाने में तुझे डांटती ,
जब तुझे दर्द होता तो
तुझे पुकारती हुई चली आती थी |
तेरी ममता की छाँव में

कितनी भीहों जाऊँ बड़ी माँ
मैं आज भी तेरी बच्ची हूँ |
तेरी ममता की छाँव में ,
मैं सुकून पाती हूँ |

वैष्णवी
छठी स

शिक्षक

माता देती नवजीवन
पिता सुरक्षित करते हैं |
लेकिन सच्ची मानवता
शिक्षक जीवन में भरते हैं |

सत्य न्याय के पथ पर चलना
शिक्षक हमें बताते हैं
जीवन में संघर्षों से लड़ना
शिक्षक हमें बताते हैं |

ज्ञान दीप की ज्योति जलाकर
मन आलोकित करते हैं
विद्या का धन देकर शिक्षक
जीवन सुख से भरते हैं|

केन्द्रीय विद्यालय हमारा है |

ज्ञान दीप प्रकाश – पुंज
ये उत्तर ध्रुव तारा है|
नव भारत का सुंदर सपना
केन्द्रीय विद्यालय हमारा है |

भारत के कोने कोने से
बालक यहाँ पर आते हैं|
भेद भाव का नाम नहीं
सब मिलकर शिक्षा पाते हैं|

एक अनेकता और एकता
यह संगीत हमारा है |
नव भारत का सुंदर सपना
केन्द्रीय विद्यालय हमारा है |

वीर बने धीर बने
हम भारत की तकदीर बनें
तोड़ सके न दुश्मन हमको
हम ऐसी जंजीर बनें|

विद्या के इस मंदिर में हम
ज्ञान अमृत पी जाते है |
भेदभाव का नाम नहीं
सब मिलकर शिक्षा पाते हैं|

वैष्णवी
(सातवी अ)

ठीक समय पर

ठीक समय पर नित उठ जाओ ,
ठीक समय पर चलो नहाओ |
ठीक समय पर खाना खाओ,
ठीक समय पर पढने जाओ |
ठीक समय पर मौज उडाओ |
ठीक समय पर गाना गाओ |
ठीक समय पर काम कर पाओ ,
तो तुम बहुत बड़े कहलाओ|

(आदित्य कुमार सिंह)
छठी बी

प्यारी बेटियाँ

प्यार की सजीव
कहानी होती हैं , बेटियाँ
माँ बाप की आँखों का
पानी होती हैं बेटियाँ
गुजरता है बचपन इनका
रफ़्तार से , पल भर में
सयानी होती है बेटियाँ
नूर में इनके रोशन है घर का कोना
चाँद से भी नूरानी होती हैं बेटियाँ
जब तक है पास रखो प्यार से लवरेज
चंद दिनों में बेगानी होती हैं बेटियाँ

पहेलियाँ बूझो तो जाने

1. जब देखते उसे सिर ऊँचा हो जाए,
   तीन रंगों का है बताओ क्या कहलाए|
2. एक लाठी की सुनो कहानी ,
   इसमें छिपा है मीठा पानी |
3. हाथ में हरा, मुँह में लाल
   क्या चीज है , बताओ प्यारे लाल |
   उत्तर: तिरंगा , गन्ना ,पान

बेटा –बेटी एक समान

बेटा वारिस है , बेटी पारस है |
बेटा वंश है, बेटी अंश है |
बेटा आन है , बेटी शान है
बेटा तन है , बेटी मन है |
बेटा मान है , बेटी गुमान है
बेटा संस्कार है , बेटी संस्कृति है|
बेटा राग है , बेटी बाग़ है |
बेटा दवा है , बेटी दुआ है |
बेटा भाग्य है , बेटी विधाता है
बेटा शब्द है , बेटी अर्थ है |
बेटा प्रेम है , बेटी पूजा है |

छावनी रैना
आठवी अ

पुत्री की महत्ता

ओस की एक बूंद – सी होती है बेटियाँ
रोशन करेगा बेटा तो बस एक ही कुल को |
दो- दो कुलों की लाज होती हैं बेटियाँ|
कोई नहीं है, दोस्तों एक दूसरे से कम,
हीरा अगर है बेटा, तो मोती होती हैंबेटियाँ
काँटो की राह पर से खुद ही चलती हैं , चलती रहेगी
औरों के लिए फूल ही बोती हैंबेटियाँ
विधि का विधान है, यही दुनिया की रस्म है |
स्पर्श खुरदरा हो तो रोती हैंबेटियाँ|
मुटठी में भरे- नीर- सी होती हैंबेटियाँ

कीर्ति भट्ट
नवमी व

सुविचार

जहाँ प्रेम है वहां जीवन है , जहाँ घृणा है वहाँ विनाश है |
सत्य और अहिंसा मनुष्य का सबसे बड़ा धर्म है |
लालच से बड़ा कोई रोग नहीं है |
भाग्य भी साहसी का साथ देता है |
जीव – जंतुओं से प्रेम करना , ईश्वर से प्रेम करना है |

कीर्ति भट्ट
नवमी व

भारतीय सैनिक

माँ तुझसे मिलने आया था ,
कुछ पल साथ बिताने को,
कुछ खुशियाँ देकर जाने को,
कुछ खुशियाँ लेकर जाने को ,

दुश्मन ने धावा बोला है
माँ उसे धूल चटाना है,
अब तुम मुझे मत रोको ,
मुझको सरहद पर जाना है |

याद बहुत आता है पापा,
कंधो पर जो आप घुमाते थे ,
कभी मम्मी थप्पड़ लगाती थी
चाकलेट से हमें मनाती थी |

बहुत दिखाए गांधी हमने
भगत सिंह को अब दिखाना है,
पापा अब मुझको मत रोको ,
मुझको सरहद पर जाना है |

समृद्ध
छठी बी

माँ

माँ से बड़ा न होगा कोई
माँ से सच्चा न होगा कोई
माँ ही अक्षर ज्ञान कराती
माँ ही पहले हमें पढ़ाती
माँ के चरण हमेशा छूना
उसके प्यार की तुलना न करना |
माँ की महिमा सबसे न्यारी
माँ होती है सबसे प्यारी
माँ का आँचल पकड मुस्कराओ
माँ को मन के बीच बिठाओ
माँ से जीवन धन्य बनाओ
माँ के आगे शीश झुकाओ |

रिया वर्मा
नवमी बी

किताब

मैं एक किताब हूँ | मेरे पास अलग अलग तरह के पाठ होते हैं |
मुझसे आप बड़ी- बड़ी शिक्षा लेते हो | मुझमे सरस्वती बसी हुई है,
मेरी हर कोई कदर नहीं करता | मुझे फाड़ते हो तब
मुझे बहुत दर्द होता है | मुझमें हर तरह की कहानियाँ , ज्ञान और गाने होते हैं |
किताब आप पढ़ते जबहैं , तब मुझे बहुत अच्छा लगता है | मै बहुत खुश हो जाती हूँ|
मै मानती हूँ कि आप मुझे हमेशा खुश रखोगे |

रिया वर्मा
नवमी बी

जिंदगी

जिंदगी एक खेल है |
उसके खिलाड़ी बनो|

जिंदगी एक मुसीवत है |
उसका सामना करो |

जिंदगी एक सपना है
उसे सजाते रहो |

जिंदगी एक कर्तव्य है
उसे निभाते रहो |

जिंदगी एक सौन्दर्य है |
उसकी प्रशंसा करो |

जिंदगी एक समुद्र है |
उसे पार करो |

मंगल पर विजय

सन 2014 में मंगल यान सफलातापूर्ण लांच हुआ और यह मंगल की कक्षा में प्रवेश कर गया | इसरो के अनुसार 2015 इंडियन स्पेस एजेंसी के लिए काफी महत्वपूर्ण है | 2015 में भारत ने5 फारेन सॅटॅलाइट लांच किए | जिसमें 3 ब्रिटेन और 2 इंडोनेशिया के थे | इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन एक हैवी कम्युनिकेशन सैटे लाईट लिए जी.एस.टी 15 भी लांच हुआ | इसमें सिग्नल के कम्युनिकेशन और ब्रॉड कास्टिंग लिए 40 ट्रांसपोटर – ऑटोमैटिक रिसीवर्स और ट्रांसमीटर भी लगे थे | इसके साथ भारत विश्व का पहला देश बन गया जो पहली ही कोशिश में मंगल ग्रह तक की दूरी पर पहुँचा था | इस अभियान की कुल लागत केवल 450 करोड़ रुपये | मंगल यान बजन 1350 किलो ग्राम था | और इसे 15 महीनों में तैयार किया गया है और इसने 300 दिनों में कुल 67 करोड़ किलोमीटर की यात्रा कर मंगल तक पहुँच बनाई | मंगल विभाग में 06 महीने तक मंगल पर के रहस्य की खोज की थी | इसमें ख़ास टैकनाल़ाजी का इस्तेमाल एवं खुद की मरम्मत की क्षमता है | इसे काफी छोटा रखा गया है |

मिताली
छठी सी

शिक्षकस्य महत्वम्

यदिअहंशिक्षकः भवामि**तर्हि**अहं**विद्यार्थीण।**संस्कृतशिक्षणंविशेषरूपेणकरोमि!

अद्यभारतीयशिक्षणपद्धत्याः लोपः भवति! सर्वेविद्यार्थिनः आङ्गलभाषाया**:**ज्ञानविषये ध्यानंददति!

अस्माकंजम्मूकश्मीरेसर्वकारः संस्कृतशिक्षणविषयेविशेषरूपेण ध्यानंददाति! अहंशिक्षकः भवेयम् अहम् स्वविषयेपरिश्रमपूर्वकंविद्यार्थिनाम् अध्यापनंकरोमि! सर्वेविद्यार्थिनः अनुशासनपूर्वकं कक्षायांपठन्ति, कोऽपिविद्यार्थीउदण्डः न भवति, तस्य विषयेअहंविशेषरूपेण ध्यानंददामि! ममसर्वप्रथमंकर्त्तव्यं योग्यछात्राणां निर्माणकरणम् अस्ति! अस्माकंदेशेकोऽपिविद्यार्थीशिक्षायाः हीनः न भवति! सर्वेभारतीयाः जनाः शिक्षिताः भवेयुः। एकोऽपिजनः निरक्षरो न स्यात्, तदैवअस्माकंदेशः पूर्ववत् प्रतिष्ठितोभविष्यति ऐतेमम**संकल्पाः** सन्ति।

वसुसुदन

द्वादश 'अ'

देशभक्ति

यस्मिन् देशेवयंजन्मधारणंकुर्मः स हिअस्माकंदेशः जन्मभूमिः वा भवति।जननीइवजन्मभूमिः पूज्याआदरणीया च भवति।अस्याः यशः सर्वेषादेशवासिनां यशः भवति।अस्याः गौरवेण एव देशवासिनांगौरवम् भवति। ये जनाः स्वाभ्युदयार्थदेशस्याहितंकुर्वन्तिते अधमाः सन्ति।देशभक्तिः सर्वासुभक्तिषुश्रेष्ठाकथ्यते।अनया एव देशस्य स्वतंत्रतायाः रक्षाभवति।अनया एव प्रेरिताः बहवः देशभक्ताः भगत सिंहः चन्द्रशेखरआजाद:प्रभृतयः आत्मोत्सर्गम् अकुर्वन्।झाँसीराज्ञी लक्ष्मीबाई, राणाप्रताप । मेवाड़केसरि, शिववीरः च प्रमुखाः देशभक्तः अस्माकंदेशेजाताः।देशभक्तिः व्यक्ति–समाज–देशकल्याणार्थपरमम् औषधम् अस्ति।

निधि भट्ट

नवमी'व '

प्रकृति:

प्रकृति माता सर्वेषाम्
बहूनाम् अपि फलानाम्
बहूनाम् अस्ति वृक्षानाम्
पुष्पाणाम् चापि मातेयम् ||

भ्रमराणा पशूनां
पक्षिणा च मातास्ति
जनेभ्य: जीवन सदा
ददाति प्रकृति: माता ||

अस्ति सा तु मनोहारी
मातृणाम् अपि मातास्ति
प्रकृति: माता सर्वेषाम्
नमोस्तु ते मात्रे प्रकृतये ||

वैष्णवी (षठी 'स')

भारतभूषासंस्कृतभाषा

भारतभूषासंस्कृतभाषाविलसतुहृदयेहृदये,
संस्कृतिरक्षाराष्ट्रसमृद्धिःभवतुहिभारत**देश**े।

श्रद्धामहतीनिष्ठासुदृढा स्यान्नः कार्यरतानाम्
स्वच्छावृतिः नवउत्साहो यत्नोविनाविरामम्
नहिविच्छिन्तिश्चितविकारः पदं निदध्मः सततम्
सत्यपिकष्टेविपदिकदापिवयं न यामोविरतिम्ौ।
भारतभूषा .....

श्वासे श्वासेरोमसु धमनिषुसंस्कृतवीणाक्वंणमन्
चेतो वाणी प्राणाः कायः संस्कृतहिताय नियतम्।
श्वसिमिप्राणिमिसंस्कृतवृदयैनमामिसंस्कृतवाणीम्
पुष्टिस्तुष्टिस्संसस्कृतवाक्तः तस्मादते न किस्वित्।।
भारतभूषा .....

नाहं याचेहारंमानं न चापिगौरववृद्धिम्
नोसत्कारंवित्तंपदवींभौतिकलाभंकञ्चित्।
यस्मिन् दिवसेसंस्कृतभाषाविलसेज्जगतिसमग्रे
भव्यंतन्महददभुतदृश्यं काङ् क्षेवीक्षितुमाशु।।
भारतभूषा .....

वसुसुदन
द्वादश 'अ'

महाकविः कालिदासः

पुराकविनांगणनाप्रसंगेकनिष्ठिकाधिष्ठितः कालिदासः।
अद्यापितत्तुल्य कवेरभावनादनामिकासार्थवतीबभूवः

यशस्विनांकवीनांकुलगुरूः महाकविः कालिदासः 'कविशिरोमणिः' इतिपदेनअद्यापिविभूषितः। स एव कविसम्राट् ममप्रियः कविः अस्ति। एषः न केवलः भारतीयैः अपितुविदेशियैः अपिस्मर्यते।अयंकविश्रेष्ठः कदाकुत्र वा अजायतइतिनिश्चयेनवक्तुं न शक्नुमः।पुरातत्त्वविज्ञाः इमंविक्रमादित्यस्य राजसभायाः नवरत्नेषुअन्यतमः वदन्ति।

कालिदासस्य जीवनवृत्तविषये एकाकथाप्रचलिताअस्ति–

कस्यचिद् राज्ञः विद्योतमानामपरमविदुषीपुत्री आसीत्।त**या** घोषणाकृता यत् 'योमां, विद्याविवादेपराजेष्यते, तम् अहम् उद्वहिष्ये। एतच्छुत्वाअनेकेराजपुत्राः विद्वांसश्चतयासह शास्त्रार्थम् अकुर्वन् किन्तुसर्वेतयापराजिताः अभवन्।ततः अपमानितैः पंडितैः छद्मना एकेनवज्रमूर्खणसहविद्योत्तमायाः विवाहः सम्पादितः।

एकदाउष्ट्रस्य शव्दंश्रुत्वाविद्योत्तमा तम् अपृच्छत् – 'कस्यायं शब्दः?' सोऽवदत् – 'उट्रः – उट्रः।' एतच्छृत्वाविद्योत्तमापण्डितानांछदम् ज्ञात्वातंगृहात् निष्कासितवती।

वज्रमूर्खः सः स्वापमानंअनूभूय वाराणसीगतः। तत्र महतापरिश्रमेणविद्याम् अधीत्य क्रमेणः सः महान् विद्वान् भूत्वास्वपत्न्याः विद्योत्तमयाः गृहम् आगच्छत् अवदच्च–प्रियतमे।अनावृतकपाटं द्वारंदेहि।' तच्छुत्वाविद्योत्तमांउक्तवती– 'अस्तिकश्चिद् वाग्विशेषः।अथसाकपाटम् उद्घाट्य विद्वासं यति दृष्ट्वाप्रासीदत्।

अथकालिदासः स्वपत्नयाः 'अस्तिकश्चिद् वाग्विशेषः' इतिवाक्यस्य प्रत्येकंपदम् अधिकृत्य त्रीणिकाव्यानिरचितवान् – ''अस्ति'' –पदेन 'कश्चित्कान्ता–विरहगुरूणा' इतिमेघदूतं खण्डकावयम् 'वागर्थाविवसंपृक्तौ' ..... इतिरघुवंशंमहाकाव्य च आरब्ध्वान्।

कालिदासस्य चातुर्यम् नैपुण्यं च नीरसं शुष्कंकथानकमपिसरसम् मनोरंजकम् कृत्वाप्रस्तुतंकरणेअस्ति।

सः महाभारतस्य शुष्कंनीरसंदुष्यन्त–शकुन्तलोपाख्यानम् अभिज्ञानशाकुन्तलेइत्थम् सरसीकृत्य प्रस्तुतवान् यत् तत् नाटकमधुनाविश्वसाहित्यस्य सर्वश्रेष्ठम् नाटकमस्ति।

हर्षिता धर

द्वादश 'अ'

Thoughts

1. Temples are many, but God is one.
2. Manage your mind because your thoughts control your life.
3. Failure is not the opposite of success, It is a part of success.
4. Kill tension before tension kills you.
5. The best way to predict the future is to create it.
6. Change your life today,
   Don’t gamble on future,
   Act now without delay.
7. The Price of discipline is always less than the pain of regret.
8. Time and tide wait for none.
9. Education is a strong wall which can’tbe broken by anyone.

Salvi Dhar
VII-B

Thoughts

1. Those who cannot change their mind cannot change anything.
2. Failure is not opposite of success, it is a part of success**.**
3. Don't get upset with people or situations,both are powerless without your reaction.

The One Furrow

When I was young, I went to school,
With pencil and footrule.
Sponge and Slate,
And sat on a tall stool,
At learning gate.

When I was older, the gate swing wide,
Clever and keen-eyed,
In I Pressed, But found in the minds pride,
No peace no rest.

Then who was it taught me back to go,
To cattle and barrow,
Field and plough,
To keep to the one furrow,
Aside now?

Name: Lakshanya Sharma
Class : VIII-B

Topic: My Dear Test

Oh! My dear test,
You are my unwanted guest.
You make me busy,
Because you are not easy.
You need preparation,
Practice of math calculation.
Science requires theory,
Which sometimes goes out of memory.
History needs memorization,
Which is full of conclusion.
Civics is quite easy,
But it also makes me uneasy.
Geography! Nothing to say about,
Because it is full of doubt.

Name: DikshaPandita
Class : VIII-B

Topic: Examination

Examination is a big tension.
It is rarely out of fashion.
The date sheet is in cast,
English first and science last.
Our syllabus is so vast.
Exams are coming near so fast.
The teacher advise us to takeCare,
But we are full of fear.
As our exams are coming near,
Our joys are turning rare.
There is the examination hall,
Our eyes rotate like a ball.
Reappearing is a common view,
As the examination pattern is new.
The percentage may be poor.
And failures are also sure.
So, work hard and give a call,
Oh God! Give success to all.

Name: BhoomiRaina
Class : VIII-C

Topic: My Teacher

You are like my second mother,
like you there is no other.
This is the time to thank you,
For teaching me and guiding me too.
You are the one I can never suspect.
You have been more of a friend to me.
Sharing my joys and sorrows and also cup of tea.
You are the best among the best.
You have led one through life' s quest.

Eight steps for successful Business

1. Engage in business for which you have talent.
2. Secure a suitable locality for your business.
3. Stick to your business. Don't assume that if you have a success in a field, then you can be so in the other business also.
4. Be economical, not parsimonious, but never go into debt.
5. Be systematic, no man can succeed in business who neglects the strict observance of system in his business.
6. Advertise: Have a good article and make it known in some way to the pupil that you have such a thing for sale.
7. Be charitable, it always pays a business to perform acts of benevolence.
8. Be honest, " Honesty is the best policy". A man who lacks honesty will soon lack customers for his goods.

Name: Monika Devi
Class: VI-B

Select Your Future

Is it Engineering?
Is it medical?
Why only these two questions?
Why no other options?
Can't it be business,
Fashion,designing,Journalism
Can't it be politics or something else?
Arose these questions, in my mind
When I was in 10th
Climbing on the steps of success
Never got the answer for my question
Where is my future?
Which one of them
Should I select ?
Away passed the time
Entered more options and suggestions
Entered never the answers.
Realise your strength and weakness
Said the heart-
Obeyed and got my future.

The Lion and the Jackal

Once a foolish lion lived in the forest near a kingdom. He was the king of the forest**.**One day a wicked and cunning jackal came to him and said , " O king of the forest. Ihavealways admired you. Can I become your servant and be with you to serve you forever?".

The lion felt flattered and agreed to let the jackal be with him. The Jackal was very happy because now he would have no problem about food. He could always eat the left overs of the lion. As days went by, the jackal became fat and healthy because the lion was a good hunter and always left a generous share for his friend, the jackal. But this only made the jackal saw the King's horses grazing at the edge of the forest. He knew that any animal that attacked the King's horses would get into trouble . But the jackal was wicked and unfaithful. He didn't care if the lion got into trouble. He just wanted to taste horse meat. So, he went upto the lion and said, " You are an excellent hunter. But if you are brave enough , you must try to catch horses. They belong to the king and the king will be very angry when he hears that an animal has killed his horses. But there is nothing as tasty as horse meat in the whole jungle. "

The lion roared with proud anger, " I am also king. I will kill anything that I want for food." So saying the lion went out to the outskirts of the jungle and caught a horse right in the front of the King's horse grooms. They were too afraid of the fierce lion to do anything and immediately reported the matter to the king. The king was very angry." How dare the lion hunt down my horses. I will teach him a lesson." he said So, the next day the king had an archer ready with bow and arrow to protect his horses. Meanwhile, the lion liked the taste of horse flesh and decided to hunt another horse and the next day. The jackal knew that it would be dangerous. But he still encouraged the foolish lion. He said," Go ahead and kill another horse O lion. I will be there right beside you to help you. So the next day the lion stealthily went towards the horses. So that he could get close enough to pounce on a horse and was carrying it away, the archer shat an arrow and wounded the lion. The lion called out to the jackal," Please come to my help, I am wounded!" But the wickel and archerers jackal left the lion lying in the pool of blood and ran away for his life. The dying lion saw the jackal slink away and said, " Alas! I should have been wiser and not fallen into the cunning jackal strap.

Student's Life

It is said that " Student life is golden life",because student life is the most important part of human life. It is the period of pure joy and happiness, because the mind of a student is free from cares and worries of a grown-up life. In this period, the character of man is built. So, it is called the formative period of human life. So, every student should try his best to make the best use of his student life.

He should also be careful about his health and spend his some time daily in sports and games for physical fitness. Concentration on studies is also required. He should try to develop his body and mind at the same time. As a student he must try to develop his intellect. He should also try to acquire some good qualities like obedience, dutifulness, love and sympathy etc.

Students are the future hope of country. So every student should try to be the best citizen in all respect, so that he may serve his country as far as he can go.

SaniyaKumari

IX-A

BE STRONG

Be strong, but not rude
Be kind , but not weak
Be bold, but not a bully
Be humble, but not timid
Be thoughtful, but not lazy
Be proud, but not arrogant

AditiAngural

IX-C

Follow Your Dreams

Follow your dreams,
Take one step at a time and don't settle for less
Just continue to climb.
Follow your dreams,
If you stumble, don't stop and lose sight of your goals.
Press to the topthenonly can we see the whole view,
Can we see what we have done and what we can do.
Can we then have the vision to seek something new, press on,
Follow your dreams

AditiAngural
IX-C

Getting along with Others

1. Learn to listen: Listening is the skill that enhances understanding & comprehension. In order to be a good listener, one must totally concentrate on what the speaker is saying.
2. This helps you to absorb and analyze the content.
3. A listener could show active responses like asking questions making exclamations like "Wow" or respond by actions like nodding smiling etc.
4. You need not always agree with other person. At such times, it is important to refuse or disagree in a polite firm manner.
5. Good manners never go out of style. These help us to get along with people of all ages.
6. Some tips that would round off your personality & help you to be popular:-
   (a) Greet your elders, parents, teachers & grandparents. Whenever you see them according to the time of the day.
   (b) Wish your friends and don't hesitate to smile & send greetings to any known person you come across.
   (c) Feel free to compliment & appreciate others e.g.mother's cooking, friend's dress.
   (d) Don't forget to thank those who work for you e.g. maids of school, a cook at home , your bus driver etc.
   (e) Smile & say thank you when you receive a compliment.
   (f) A smile can achieve success like no other tool we possess.A single smile, just like yourscould travel round the earth.

7. If you have guests wish them with smile & courtesy.
    - Ask them to sit down.
    - Offer a drink.
    - Don't watch TV or read while they wait for your parents , instead sit & give them company.
    - When serving refreshment, remember to serve the guests with smile first starting from the ladies and elders.
8. Let's start an epidemic of smile quickly and get the world infected.

(RushmiTiku)
Librarian
KV Nagrota

Teachers

Teacher, Teacher
You are sweet creature
You taught me good words
Like a preacher
Teacher, Teacher
You make me work towards my future.
You make me respect
My mother earth and nature

(Riyaverma)
IX-B

Science

Science is full of joy,
It is a subject I enjoy.
The most important chapter is matter,
Among the easier ones air and water.
The most difficult is light,
To master this I always fight.
I know what is gravitation,
And also know about high
And low tide formation.

(Riyaverma)
IX-B

What is Anaemia

When we breathe in oxygen along with other gases present in the air goes into our lungs. This oxygen goes to the blood across a membrane and carbon dioxide comes out of blood. The oxygen is carried from lungs to all other organs of our body by a protein that is present in our red blood cells called "Haemoglobin". Red blood cells are made in the bone marrow and millions are released into the blood stream each day. A constant new supply of red blood cells is needed to replace old cells that break down each day. A reduction in haemoglobin level is known as Anaemia(ANAEMIA). Thus Anaemia means that one has less Haemoglobin than what one normally should. Anaemia is caused due to many reasons effecting production of haemoglobin like genetic diseases, deficiency of essential nutrients, excessive early breakdown of red blood loss etc.
(So eat well and be happy)

Name :Mitalee
Class: VI-C

Nature

Nature, nature so lush and green
The absolute wonder anyone has seen
So cool,calm and full of life
Makes us to forget all our strife.

Please don't cut trees

Learn to wonder and gape at things
And see the happiness it brings.

Cut them down and construct towers
Wait for ages to get shower.

So save trees! So save trees.

(MuskanRazdan)
VII-B

What I Hate

What I hate is war
Which shatters the houses
Destroys the peace ,
Destroy our lives,
I hate it , I hate it
What I hate is corruption
Which destroys the name
And fame of India, Which is done by us
I hate it , I hate it

(PalakBhat)
VIII-A

Mother

Mother is a gift of nature
Who cares for my future
And gives love
But I don't knowhow
She acts as a master
And savesus from disaster
She gives shelter in her heart
And guides how to start
Without bow or knife
To get success in our life

(MahiMahajan)
Class VII- A

The Horror of being a girl

I am a girl,
God's beautiful pearl.
I am a girl who is born,
not a paper to be torn.
I am someone's daughter,
But I am tangled in my roles.
A mother, a sister,
Also, wife of a minister.
I want to make my future bright,
But they see me with another sight
I am killed in my mother's womb,
Before my birth they make my tomb.
Oh! Its sinful,
As well as shameful.
For the next generation,
We want the solution, we want the solution.

IkraBanu
VIII-B

Thoughts

- "Education is the passport to the future, for tomorrow belongs to those who prepare for it today".
- "People must be taught how to think , not what to think."
- "Far from what I once was , But not yet what I'm going to be."
- "Life is like riding abicycle , you have to keep moving in order to keep your balance."
- "Better keep your selfclean and bright. You are the window through which you must see the world."
- He or she who has imagination without learning, has wings but no feet.
- " Measure success, not by what you have done but, what you could do."
- The only way to have a good friend is to be a true friend".

Vaishnavi
VII-A

A message to the Indian Soldiers

Oh! My dear soldiers,
you never take rest.
nice and good you are,
making India the best.
Oh! Mother Oh! Mother
You are so great.

Your sons go for the battles,
to fight with enemies of state
Oh! My dear soldiers,
Oh! My dear soldiers,
Be Brave! Be brave,
Put your enemies in the grave.

A Soldier's Daughters

I am from the family of Olive Greens,
Discipline is in my blood,
And courage in my genes.
I know that hardwork never goes waste

School Life

Most irritating moment: Morning Alarm
Most difficult task: To find socks
Most dreadful journey : Way to class
Most lovely time: Meeting friends
Most tragic moment: Surprise test in first period
Most wonderful news: Teacher is absent
Sometimes school may be hard, annoying and irritating
But admit it you are going to miss it when it ends!!

Aditya Kumar Singh
VI-B

EXAMS OH! EXAM

Examinations Oh! Examinations
It's the time of frustrations
We get no retention
Teachers give us tension
English has prepositions
Maths has many different variations
Social science has too many justifications
And these add to our tensions.
Exams Oh! Exams
It's time of frustrations

Student's exam life

9 a.m.	Wake up line
10 a.m.	Breakfast
11 a.m.	Thinking to score 80%
01 p.m.	Lunch and sleep
05 p.m.	Tea
06 p.m.	Thinking to score 60%
09 p.m.	Dinner
10 p.m.	Hey Bhagwan… Bus pass kara do!

Last night my books were dancing in my dreams
Do you know on which song? Guess ?

Zara Zara ……..
Touch me ……
Touch me …….

Aditya Kumar Singh
VI-B